

भारत सरकार
संचार मंत्रालय
दूरसंचार विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 4460
उत्तर देने की तारीख 20 अगस्त, 2025

ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क कनेक्टिविटी

4460. श्रीमती मंजू शर्मा:

श्री छोटेलाल:

क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) देश में और विशेषकर जयपुर लोक सभा क्षेत्र में बीएसएनएल ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क से जुड़ी ग्राम पंचायतों की जिलावार/तहसीलवार संख्या कितनी है;
- (ख) इस सेवा से अभी भी वंचित ग्राम पंचायतों की संख्या कितनी है और इसके क्या कारण हैं;
- (ग) क्या सरकार का सभी ग्राम पंचायतों को ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क कनेक्टिविटी प्रदान करने का विचार है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है;
- (घ) सरकार द्वारा पिछले पाँच वर्षों के दौरान जयपुर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में फाइबर नेटवर्क बिछाने के लिए कितनी निधि आवंटित की गई है;
- (ङ) क्या सरकार ने शेष ग्राम पंचायतों को ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए कोई प्रावधान किया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है साथ ही वर्तमान वर्ष के दौरान स्वीकृत निधि कितनी है;
- (च) क्या रोबर्टगंज, सोनभद्र लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र की दर्जनों ग्राम पंचायतों में मोबाइल टावर सुविधा का अभाव है; और
- (छ) उक्त लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में पूर्ण संचार सेवाएँ कब तक शुरू होने की उम्मीद है?

उत्तर
संचार एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री
(डॉ. पेम्मासानी चंद्र शेखर)

(क) से (ड) देश की सभी ग्राम पंचायतों (जीपी) को ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए भारतनेट परियोजना चरणबद्ध तरीके से कार्यान्वित की जा रही है। भारतनेट पर ऑप्टिकल फाइबर के माध्यम से जोड़े जाने वाली जिला-वार ग्राम पंचायतों (जीपी) का विवरण डिजिटल भारत निधि की वेबसाइट (<https://usof.gov.in/en/parliament-questions>) पर उपलब्ध है।

सरकार ने पिछले पाँच वर्षों (वित्त वर्ष 2020-21 से 2024-25) के दौरान भारतनेट परियोजना के अंतर्गत जयपुर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र सहित राजस्थान को 986.04 करोड़ रुपये की कुल निधि आवंटित की है।

सरकार ने वर्तमान वित्त वर्ष 2025-26 में भारतनेट परियोजना के लिए 22,000 करोड़ रुपयों की मंजूरी दी है।

(च) और (छ) उत्तर प्रदेश के रॉबर्ट्सगंज और चंदौली जिले में 170 गाँवों को कवर करते हुए 4जी मोबाइल सेवाओं के लिए कुल 132 टावर प्रस्तावित हैं जिसमें से दिनांक 31.07.2025 तक 73 गाँवों को कवर करते हुए 60 टावर स्थापित किए गए हैं।
